भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
Indian Institute of Technology Bhubaneswar

Press Release

प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी भुवनेश्वर ने किया "सरकारी कामकाज में हिंदी प्रयोग: संभावनाएं एवं सीमाएं" विषय पर सफल कार्यशाला का आयोजन

हिंदी तथा स्थानीय भाषाओं के प्रयोग तथा परस्पर संवाद से खुल सकते हैं समृधि के अजस्त्र द्वार : डॉ अभिषेक शर्मा

भुवनेश्वर, 21 जून 2024: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर ने 20 जून 2024 को 'सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग: संभावनाएं और सीमाएं' विषय पर एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया है। कार्यशाला का आयोजन आईआईटी भुवनेश्वर की राजभाषा एकक द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. श्रीपाद करमलकर ने की। इस अवसर पर डॉ. अभिषेक शर्मा, वरिष्ठ सहायक प्रोफेसर, रेवेन्सा विश्वविद्यालय ने अतिथि वक्ता के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति की और प्रतिभागियों के साथ अपने बहुमूल्य विचार साझा किए। आईआईटी भुवनेश्वर के कुलसचिव श्री बामदेव आचार्य ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

अपने संबोधन में डॉ. शर्मा ने देश के विकास में हिंदी के महत्व को उजागर किया। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में भाषाओं के महत्व पर भी प्रकाश डाला और कहा कि ***हिंदी तथा स्थानीय भाषाओं के प्रयोग तथा परस्पर संवाद से खुल सकते हैं*** विकास और समृद्धि के ***अजस्त्र द्वार*** खोल सकता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के क्रियान्वयन से भारतीय भाषाओं का विकास होगा, जिससे देश के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने उदाहरणों के साथ नियमित सरकारी कामकाज में हिंदी के विवेकपूर्ण प्रयोग का सुझाव दिया, जिससे प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण जानकारी मिली।

संस्थान के निदेशक प्रो. श्रीपाद करमलकर और कुलसचिव श्री आचार्य ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए और हिंदी तथा स्थानीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार के लिए इस तरह की कार्यशालाओं के महत्व पर प्रकाश डाला।

डॉ. चेतन, प्रभारी प्रोफेसर (राजभाषा) ने अतिथि वक्ता का परिचय दिया और कार्यशाला के विषय की प्रासंगिकता का उल्लेख किया।

इस अवसर पर आईआईटी भुवनेश्वर के सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष एवं प्रभारी हिंदी अधिकारी डॉ. शंभुनाथ साहू ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम का समन्वय संस्थान के हिंदी अनुवादक श्री हेमंत कुमार यादव ने किया।

इस कार्यशाला में संस्थान के संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

****